

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-खण्ड 3-अपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (il)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

संं∍ 308]

म**ई बिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 15, 1977/**ग्राजाढ़ 24, 1899

No. 308]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 15, 1977/ASADHA 24, 1899

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th July, 1977

S.O. 561(E)—Whereas the Government of Assem have intimated an inadvertant error in the description of 2-Patharkandi and 4-Karimgan; South assembly constituencies mentioned in Part B, of Schedule IV of the Delimitation of Parliamentary and Assembly Constituencies Order, 1976, in respect of the State of Assam,

And Whereas the Commission considers it necessary and expedient to make necessary connection in the description of the said constituencies;

Now, therefore, in excercise of the powers conferred by Section 9(a) of the Representation of the People Act, 1950, the Election Commission hereby makes the correction in the said Schedule of the Order as follows — \mathbb{T}

At page 58, in item (2) of the Appendix, the entry "287. Dewall F V." shall be deleted.

[No 282/1/AS/77]

By Order, "A. N. SEN, Secy

भारत निर्वाचन भाषीग

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1977

का० आ० 561(प्र) — प्रासाम राज्य सरकार ने, ग्रासाम राज्य के बारे में संसदीय ग्रौर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन ग्रादेण, 1976 की ग्रनुसूची—4 के भाग ख में उल्लिखित 2. पाथरकड़ी ग्रौर 4 करीमगज दक्षिण विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के वर्णन में ग्रानवधानता से हुई बुटि की सूचना दी है;

भीर, निर्वाचन श्रायोग उक्त निर्वाचन-क्षेत्रो के वर्णन में भ्रावश्यक सुधार करना भ्रावश्यक भीर समीचीन समझता है ;

भ्रतः, भ्रव, लोक प्रतिनिधित्व भूभ्यिधिनियम, 1950 की धारा 9(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह श्रायोग उम श्रादेश की उक्त श्रनुसूची में निम्निलिखत संशोधन करना है:——

पृष्ठ 65 पर परिणिष्ट कीं मद (2) में में "28-देवाती एफ ०वी॰" प्रविष्टि हटा दी आयेगी।

[स॰ 282 1, श्रासाम, 77] श्रादेश से; ए० एन० सैन, सचिव।